vinetur

2016 से 2025 के बीच अमेरिका में अल्कोहल उपयोग विकार के नए निदान 36.3% बढ़े

2023 में निदानों में उछाल आया ; संशोधित अल्कोहल-संबंधी कोडों ने संभवत: इसमें योगदान दिया

शुक्रवार, 20 नवंबर 2026



Epic Research द्वारा गुरुवार, 19 नवंबर को जारी एक बड़े विश्लेषण के अनुसार, 2016 से 2025 के बीच अमेरिका में अल्कोहल उपयोग विकार और अल्कोहल-संबद्ध यकृत रोग के नए निदानों में वृद्धि हुई।

अध्ययन में इस अवधि के दौरान स्वास्थ्य देखभाल पाने वाले 18 वर्ष और उससे अधिक आयु के 196,522,676 वयस्कों के स्वास्थ्य रिकॉर्ड का विश्लेषण किया गया। इसमें पाया गया कि अल्कोहल उपयोग विकार के पहले निदान की वार्षिक दर 2016 में प्रति 100,000 वयस्कों पर 543.1 से बढ़कर 2025 में 740.5 हो गई, यानी 36.3% की वृद्धि। अल्कोहल-संबद्ध यकृत रोग के नए निदान प्रति 100,000 पर 80.2 से बढ़कर 96.7 हो गए, जो 20.6% की वृद्धि है।

Epic Research ने बताया कि अल्कोहल उपयोग विकार के निदानों में वृद्धि 2023 में विशेष रूप से तेज थी। 2016 से 2022 तक अपेक्षाकृत स्थिर रहने के बाद, अकेले 2023 में इसकी वार्षिक दर 20.2% बढ़कर प्रति 100,000 वयस्कों पर 577.2 से 693.6 हो गई। रिपोर्ट के अनुसार, इस उछाल का एक हिस्सा अल्कोहल-संबंधी स्थितियों के निदान कोडों में हुए उन बदलावों के कारण हो सकता है, जो 2022 के अंत में लागू हुए थे ; यह जरूरी नहीं कि मूल दर में स्पष्ट बदलाव को

दर्शाता हो।

ये निष्कर्ष अमेरिका में अल्कोहल से जुड़े व्यापक नुकसान की तस्वीर को और स्पष्ट करते हैं। पहले प्रकाशित शोध के आधार पर Epic Research ने बताया कि देश में अनुमानित 27.9 मिलियन लोग अल्कोहल उपयोग विकार से प्रभावित हैं और 1999 से 2022 के बीच अल्कोहल-संबद्ध यकृत रोग से होने वाली मौतें लगभग दोगुनी हो गईं। वहीं, रिपोर्ट में उद्धृत सर्वेक्षण के आंकड़ों के अनुसार, हाल में अल्कोहल पीने की बात कहने वाले अमेरिकी वयस्कों का अनुपात 2023 के 62% से घटकर 2025 में 54% रह गया।

रिपोर्ट में पाया गया कि पूरे दशक में पुरुषों में निदान की दर महिलाओं से काफी अधिक रही। अध्ययन के हर साल में पुरुषों में अल्कोहल उपयोग विकार और अल्कोहल-संबद्ध यकृत रोग, दोनों की दरें महिलाओं की दरों से दोगुने से अधिक थीं। हालांकि, महिलाओं में सापेक्ष वृद्धि तेज रही। महिलाओं में अल्कोहल उपयोग विकार के नए निदान 42.6% बढ़े, जबकि पुरुषों में 30.0%। अल्कोहल-संबद्ध यकृत रोग के नए निदान महिलाओं में 29.2% और पुरुषों में 13.3% बढ़े।

महिलाओं में तेज वृद्धि के बावजूद, निदानों में कुल संख्या के लिहाज से पुरुषों की बढ़ोतरी अधिक रही। अल्कोहल उपयोग विकार की दर इस अवधि में पुरुषों के लिए प्रति 100,000 पर 250.2 बढ़ी, जबकि महिलाओं के लिए यह वृद्धि 145.4 प्रति 100,000 रही।

आयु समूहों में दोनों स्थितियों के रुझान अलग-अलग रहे। विश्लेषण में शामिल हर पीढ़ी में अल्कोहल उपयोग विकार के नए निदान बढ़े। रिपोर्ट में 1928 से 1945 के बीच जन्मे लोगों को साइलेंट जेनरेशन कहा गया है ; इस समूह में 54.3% की वृद्धि दर्ज हुई। बेबी बूमर्स में दर 32.3% बढ़ी, जबकि जेनरेशन X और मिलेनियल्स, दोनों में यह करीब 30% बढ़ी।

अल्कोहल-संबद्ध यकृत रोग का रुझान ऐसा नहीं था। जेनरेशन X और मिलेनियल्स में निदान तेजी से बढ़े, लेकिन सबसे पुरानी पीढ़ियों में स्थिर रहे या थोड़े घटे। Epic Research ने कहा कि अधिक उम्र अल्कोहल-संबद्ध यकृत रोग का पहले से स्थापित जोखिम कारक है। उसने यह भी कहा कि युवा और मध्यम आयु वर्ग के वयस्कों में वृद्धि का एक हिस्सा दशक के दौरान उनके अधिक जोखिम वाली उम्र में पहुंचने के कारण हो सकता है, न कि हर व्यक्ति के जोखिम में सीधे वृद्धि के कारण।

अल्कोहल उपयोग विकार के निदानों में सापेक्ष वृद्धि सबसे अधिक जेनरेशन Z में रही—56.6%। हालांकि, रिपोर्ट के अनुसार, इस समूह की शुरुआती दर कम थी और अध्ययन अवधि के दौरान इसके सदस्य वयस्कता में प्रवेश करना शुरू ही कर रहे थे। अल्कोहल-संबद्ध यकृत रोग के मामले में जेनरेशन Z की दर 2017 में प्रति 100,000 पर 1.3 से बढ़कर 2025 में 16.2 हो गई, लेकिन इस समूह में यह स्थिति अब भी असामान्य थी।

यह विश्लेषण Cosmos पर आधारित था, जो Epic का बड़ा स्वास्थ्य डेटा संग्रह है और इसमें भाग लेने वाली स्वास्थ्य प्रणालियों के रिकॉर्ड शामिल हैं। Epic के अनुसार, डेटाबेस में सभी 50 अमेरिकी राज्यों के साथ-साथ कनाडा, लेबनान और सऊदी अरब के 2,200 अस्पतालों तथा 50,000 से अधिक क्लीनिकों के 300 मिलियन से अधिक मरीजों के रिकॉर्ड हैं। इस अध्ययन के लिए शोधकर्ताओं ने नमूने को उन अमेरिकी वयस्कों तक सीमित रखा, जिनका सबसे हाल का निवास अमेरिका में था और जिन्हें संबंधित वर्ष में सक्रिय मरीज माना गया।

अध्ययन में 2016-2025 की अवधि के दौरान प्रत्येक मरीज का केवल पहला पात्र निदान गिना गया। अल्कोहल उपयोग विकार की पहचान ICD-10-CM कोड F10 के जरिए की गई, जिसमें रेमिशन कोड शामिल नहीं थे। अल्कोहल-संबद्ध यकृत रोग की पहचान ICD-10-CM कोड K70.0 से K70.4 के जरिए की गई।

लेखकों ने डेटा की कई सीमाओं पर भी जोर दिया। दरें कच्ची हैं, आयु-मानकीकृत नहीं ; इसलिए समय के साथ हुए बदलाव मरीजों की आबादी में उम्र और लिंग के अनुपात में आए परिवर्तन को आंशिक रूप से दर्शा सकते हैं। हर में वे वयस्क शामिल हैं जिन्होंने स्वास्थ्य देखभाल ली, न कि आम जनता। निदान-आधारित माप यह भी बताते हैं कि किसी स्थिति को पहली बार औपचारिक रूप से कब दर्ज किया गया, न कि वह वास्तव में कब शुरू हुई। यह बात खास तौर पर

पुरानी यकृत बीमारी के मामले में अहम है, जो मेडिकल रिकॉर्ड में दर्ज होने से पहले कई वर्षों तक विकसित हो सकती है।

Epic Research ने कहा कि निदान दरों में वृद्धि के पीछे अधिक स्क्रीनिंग, अधिक विस्तृत कोडिंग और स्वास्थ्य देखभाल के उपयोग में बदलाव भी हो सकते हैं—यह जरूरी नहीं कि बीमारी की वास्तविक दर ही बढ़ी हो। यह सावधानी 2023 से अल्कोहल उपयोग विकार के निदानों में दिखे तेज बदलाव के संदर्भ में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। अल्कोहल-संबंधी ICD-10-CM कोडों में संशोधन 1 अक्टूबर, 2022 से लागू हुए थे।

इन सीमाओं के बावजूद, विश्लेषण का पैमाना स्वास्थ्य अधिकारियों, चिकित्सकों और पेय उद्योग का ध्यान खींच सकता है। इसके निष्कर्ष बीयर, वाइन और स्पिरिट कंपनियों के रोकथाम प्रयासों और जिम्मेदार पीने के संदेशों को दिशा दे सकते हैं। साथ ही, वे इस बहस को भी आगे बढ़ा सकते हैं कि उपभोक्ताओं से अल्कोहल-संबंधी जोखिमों पर कैसे बात की जाए और सार्वजनिक स्वास्थ्य नीतियों में उनसे कैसे निपटा जाए।

Epic ने बताया कि दो स्वतंत्र टीमों ने अध्ययन पूरा किया। हर टीम में एक चिकित्सक और एक शोध वैज्ञानिक शामिल थे और दोनों टीमें समान निष्कर्षों पर पहुंचीं।